>

Title : Need to include 'Kol' caste in the category of Scheduled Tribes in the country.

श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद): सभापति जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे मौका दिया। मैं लोक महत्व का सवाल सदन में उठाना चाहता हूं। कोल जाति को जनजाति का दर्जा उत्तर प्रदेश में नहीं मिलता। जैसे द्रविड़ दक्षिण भारत में होते हैं, उसी तरह से उत्तर भारत के राज्यों में कोल लोग निवास करते हैं। उनकी काफी बड़ी संख्या है। द्रविड़ों को दक्षिण भारत में आरक्षण मिला हुआ है। उत्तर भारत में कई राज्यों में जैसे झारखंड, बिहार, मेघालय, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र आदि राज्यों में इनको कोल जनजाति का दर्जा दिया गया है लेकिन यह दुर्भाग्य की बात है कि एकमात्र उत्तर प्रदेश राज्य है जहां इनको जनजाति का दर्जा आज तक नहीं दिया गया।[a6] इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में लगभग दो लाख आबादी है। चित्रकूट में एक लाख, बांदा में सवा दो लाख, मिर्जापुर में तीन लाख, सोनभद्र में दो लाख, ललितपुर में एक लाख आबादी है। इसी तरह अन्य कई जिलों में भी कोल जाति निवास करती है। पिछली सरकार में माननीय मुलायम सिंह जी ने विधान सभा और कैबिनेट से भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा था कि इन्हें जनजाति का दर्जा दिया जाए। यह दुर्भाग्य की बात है कि इतने साल बीत जाने पर भी इन्हें आज तक जनजाति का दर्जा नहीं मिला है। इसका नतीजा है कि धीरे-धीरे उस एरिया में जहां नक्सल पंथ नहीं था अब फैलता जा रहा है। ये गरीबी की रेखा से नीचे रहते हैं। इनकी हालत अनुसूचित जाति से भी खराब है। मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन का ध्यान इस तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले। यहां माननीय कपिल सिब्बल जी बैठे हैं, मैं चाहता हूं कि वे इसका संज्ञान लेकर इस पर कार्यवाही कराने की कृपा करें।

MR. CHAIRMAN : All right, thank you.

Shri Bishnu Pada Ray – not present.